Sl.No. : 0562217

नामांक Roll No.

1	3	7	4	9	8	4

No. of Questions – 23

No. of Printed Pages – 11

S-01-Hindi

यहाँ से काटिए

माध्यमिक परीक्षा, 2023

SECONDARY EXAMINATION, 2023

हिंदी

समय : 3 घण्टे 15 मिनिट

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

[5 × 1 = 5]

प्र.1) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

सभ्यता की वर्तमान स्थिति में एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से वैसा भय तो नहीं रहा जैसा पहले रहा करता था, पर एक जाति को दूसरी जाति से, एक देश को दूसरे देश से, भय के स्थायी कारण प्रतिष्ठित हो गए हैं। सबल और सबल देशों के बीच अर्थ–संघर्ष की, सबल और निर्बल देशों के बीच अर्थ शोषण की प्रक्रिया अनवरत चल रही है, एक क्षण का विराम नहीं है। इस सार्वभौम वणग्वृत्ति से उसका अनर्थ कभी न होता यदि क्षात्रवृत्ति उसके लक्ष्य से अपना लक्ष्य अलग रखती। पर इस युग में दोनों का विलक्षण सहयोग हो गया है। वर्तमान अर्थोन्माद को शासन के भीतर रखने के लिए क्षात्रधर्म के उच्च और पवित्र आदर्श को लेकर क्षात्रसंघ की प्रतिष्ठा आवश्यक है।

1) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है –

अ) भय
ब) प्रसन्नता
स) आश्चर्य
द) निर्वेद

2) एक देश को दूसरे देश से भय के कारण हो गए हैं –

अ) निर्बल
ब) सबल
स) स्थायी
द) क्षणिक

3) सबल और निर्बल देशों के बीच अनवरत चल रही है –

अ) शोषण की प्रक्रिया
ब) भय जनित प्रक्रिया
स) शंका की प्रक्रिया
द) भाईचारे की प्रक्रिया

4) क्षात्रवृत्ति किस वृत्ति से भिन्न है –

अ) वणग्वृत्ति से
ब) क्षात्रधर्म से
स) शस्त्रवृत्ति से
द) क्षात्रकर्म से

5) उच्च और पवित्र आदर्श के लिए किसकी प्रतिष्ठा आवश्यक है –

अ) वणिक संघ की
ब) भय निवृत्ति संघ की
स) विप्र संघ की
द) क्षात्रसंघ की

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – [5 × 1 = 5]

किंतु यह झंझट है भारी, युद्ध क्षेत्र संसार बना।
चिंता के चक्कर में पड़कर जीवन भी है भार बना ।।
आजा बचपन एक बार फिर दे दे अपनी निर्मल शान्ति।
व्याकुल व्यथा मिटाने वाली यह अपनी प्राकृत विश्रांति ।।
वह भोली सी मधुर सरलता, वह प्यारा जीवन निष्पाप।
क्या आकर फिर मिटा सकेगा तू मेरे मन का संताप ।।
मैं बचपन को बुला रही थी बोल उठी बिटिया मेरी।
नंदन वन–सी फूल उठी वह छोटी सी कुटिया मेरी ।।

6) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है –

अ) वृद्धावस्था
ब) बचपन
स) यौवन
द) जरावस्था

7) कवयित्री के अनुसार चिंता के चक्कर में जीवन कैसा बन गया –

अ) भार
ब) हल्का
स) सुखी
द) प्रसन्न

8) निर्मल शब्द का अर्थ है –

अ) पवित्र   ब) निस्सहाय

स) निर्वेद   द) सबल

9) उपर्युक्त काव्यांश में संताप मिटाने वाला है –

अ) परिवार   ब) सहयोगी

स) बचपन   द) यौवन

10) नंदनवन – सी क्या फूल उठी?

अ) उपवन   ब) बगिया

स) उद्यान   द) कुटिया

11) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में लेखक ने किस विभीषिका का वर्णन किया है? [1]

अ) हिरोशिमा के परमाणु विस्फोट का   ब) भोपाल की गैस दुर्घटना का

स) दिल्ली के दंगो का   द) एक सुखद अनुभूति जो दुःख में बदल गई।

12) "जब बाबू जी रामायण का पाठ करते तब हम उनकी बगल में बैठे–बैठे आइने में अपना मुँह निहारा करते थे।" उपर्युक्त पंक्ति किस पाठ से उदृत है – [1]

अ) जार्ज पंचम की नाक   ब) माता का अँचल

स) साना–साना हाथ जोड़ि   द) एही ठैयां झुलनी हे रानी हो रामा

प्र.2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :– [6 × 1 = 6]

1) प्रायः गुण–दोष, अवस्था, व्यापार अमूर्तभाव तथा क्रिया .... संज्ञा के अन्तर्गत आते हैं।

2) ऐसे सर्वनाम जिसका प्रयोग वक्ता या लेखक (स्वयं) अपने लिए करते हैं वे .... कहलाते हैं।

3) जिस वाक्य में क्रिया का प्रभाव या फल केवल कर्ता पर ही पड़ता है, उसे .... क्रिया कहते हैं।

4) परिमाण वाचक विशेषण के .... उपभेद हैं।

5) हिन्दी भाषा में मुख्यतः .... प्रकार के उपसर्ग प्रचलित हैं।

6) वे प्रत्यय जो धातु अथवा क्रिया के अन्त में लगकर नए शब्दों की रचना करते हैं उन्हें .... प्रत्यय कहते हैं।

प्र.3) निम्नलिखित अति लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर–सीमा लगभग 20 शब्द) [12 × 1 = 12]

1) यण संधि को उदाहरण सहित समझाइए।

2) द्विगु एवं द्वन्द्व समास में अन्तर लिखिए।

3) 'कीचड़ उछालना' मुहावरे का अर्थ लिखिए।

4) 'एकै साधे सब सधै, सब साधे सब जाय' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।

5) 'बालगोबिन भगत' पाठ के माध्यम से लेखक ने क्या दर्शाया है?

6) नवाब साहब ने खीरे की सब फाँको को खिड़की से बाहर फेंककर तौलिए से हाथ और होंठ पोंछकर किस भाव को दर्शाया?

7) 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' संस्मरण किसके संबंध में है?

8) 'एक कहानी यह भी' पाठ में मन्नू भण्डारी पर किस–किस का प्रभाव अधिक उभर कर आया है?

9) गोपियों ने हारिल की लकरी किसे कहा है?

10) 'मोतिन की जोति मिल्यो मल्लिका को मकरंद' का भाव स्पष्ट कीजिए।

11) ''खैरियत चाहते हो तो अपना यह कफ़न लेकर यहाँ से सीधे चले जाओ!''

उपर्युक्त वाक्य किसने किससे कही?

12) ''दरअसल मंत्रमुग्ध – सी मैं तंद्रिल अवस्था में ही थोड़ी दूर तक निकल आई थी कि अचानक पाँवों पर ब्रेक सी लगी ...... जैसे समाधिस्थ भाव में नृत्य करती किसी आत्मलीन नृत्यांगना के नुपूर अचानक टूट गए हों।'' लेखिका ने ऐसा क्यों कहा?

खण्ड – ब

निर्देश : – प्रश्न संख्या 4 से 16 तक के लिए प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम उत्तर सीमा 40 शब्द हैं।

प्र.4) कैप्टन ने नेताजी की मूर्ति पर चश्मा क्यों लगाया? [2]

प्र.5) "भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा।" बालगोबिन भगत ने ऐसा क्यों कहा? [2]

प्र.6) लेखक के गाड़ी में बैठने पर नवाब साहब ने क्या प्रतिक्रिया की? लखनवी अंदाज पाठ के आधार पर लिखिए। [2]

प्र.7) फादर कामिल बुल्के के व्यक्तित्त्व की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। [2]

प्र.8) गोपियों को उद्धव का संदेश पसंद क्यों नहीं आया? [2]

प्र.9) लक्ष्मण के वचनों से बढ़े हुए परशुराम जी के क्रोध को किसने और कैसे शान्त किया? [2]

प्र.10) 'संगतकार' कविता किसके महत्त्वपूर्ण योगदान को दर्शाती है? [2]

प्र.11) "कि उसे सुख का आभास तो होता था लेकिन दु:ख बाँचना नहीं आता था।" कवि ऋतुराज ने ऐसा क्यों कहा? [2]

प्र.12) 'कवी–लोंग स्टॉक' जगह का क्या महत्व है? साना साना हाथ जोड़ि पाठ के आधार पर लिखिए। [2]

प्र.13) मूर्तिकार ने अन्त में जार्ज पंचम की नाक का क्या हल निकाला? [2]

प्र.14) 'माता का अँचल' पाठ के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। [2]

प्र.15) कवि ऋतुराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को संक्षेप में लिखिए। [2]

अथवा

कवि सूरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को संक्षेप में लिखिए।

प्र.16) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को संक्षेप में लिखिए। [2]

अथवा

मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को संक्षेप में लिखिए।

खण्ड – स

प्र.17) निम्नलिखित पठित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। [1 + 2 = 3]

फ़ादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे। कभी-कभी लगता है वे मन से संन्यासी नहीं थे। रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे। दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी। वह जब भी दिल्ली आते ज़रूर मिलते – खोजकर, समय निकालकर, गर्मी सर्दी बरसात झेलकर मिलते, चाहे दो मिनट के लिए ही सही। यह कौन संन्यासी करता है? उनकी चिंता हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की थी। हर मंच से इसकी तकलीफ़ बयान करते, इसके लिए आकाट्य तर्क देते। बस इसी एक सवाल पर उन्हें झुँझलाते देखा है और हिन्दी वालों द्वारा ही हिन्दी की उपेक्षा पर दुःख करते उन्हें पाया है।

अथवा

संस्कृति के नाम से जिस कूड़े-करकट के ढेर का बोध होता है, वह न संस्कृति है न रक्षणीय वस्तु। क्षण-क्षण परिवर्तन होने वाले संसार में किसी भी चीज़ को पकड़कर बैठा नहीं जा सकता। मानव ने जब-जब प्रज्ञा और मैत्री भाव से किसी नए तथ्य का दर्शन किया है तो उसने कोई वस्तु नहीं देखी है, जिसकी रक्षा के लिए दलबंदियों की जरूरत है। मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है और उसमें जितना अंश कल्याण का है, वह अकल्याण कर की अपेक्षा श्रेष्ठ ही नहीं स्थायी भी है।

18) निम्नलिखित पठित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। [1 + 2 = 3]

डार द्रुम पलना बिछौना नव पल्लव के,
सुमन झिंगूला सोहै तन छबि भारी दै।
पवन झूलावै, केकी – कीर बतरावैं 'देव'
कोकिल हलावै – हुलसावै कर तारी दै।।
पूरित पराग सों उतारो करै राई नोन,
कंजकली नायिका लतान सिर सारी दै।
मदन महीप जू को बालक बसंत ताहि,
प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै।

अथवा

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी–कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं हैं
और यह फिर से गाया जा सकता है।

9) लेखक महावीर प्रसाद द्विवेदी ने स्त्रीशिक्षा के महत्व को किस प्रकार सिद्ध किया? [3]

(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

अथवा

"संगीत एक आराधना है।" कैसे? 'नौबतखाने में इबादत' पठित पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

प्र.20) 'आत्मकथ्य' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

अथवा

'उत्साह' कविता में कवि ने बादल के माध्यम से क्या संदेश दिया है? (उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

खण्ड – द

प्र.21) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में एक निबंध लिखिए।

अ) जीवन में शिक्षा का महत्व

i) प्रस्तावना

ii) शिक्षा का अर्थ

iii) शिक्षा से जीवन का विकास

iv) शिक्षा के विविध महत्व

v) उपसंहार

ब) वैश्विक महंगाई

i) महंगाई का अर्थ

ii) महंगाई के कारण

iii) महंगाई से जन समस्याएँ

iv) महंगाई से निपटने के उपाय

v) उपसंहार

स) स्वस्थ जीवन सुख का आधार

i) स्वास्थ्य का अर्थ

ii) स्वास्थ्य पर आधारित भोजन

iii) स्वास्थ्य कमजोर होने के कारण

iv) स्वास्थ्य सुधार के उपाय

v) उपसंहार

द) मेरा प्रिय कवि

i) प्रिय कवि का नाम

ii) प्रिय होने के कारण

iii) रचनाएँ एवं व्यक्तित्व

iv) सामाजिक महत्व

v) उपसंहार

प्र.22) स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विशालपुर का नरेन्द्र मानकर प्रधानाचार्य महोदय से खेल सामग्री मँगवाने हेतु एक प्रार्थना – पत्र लिखिए। [4]

अथवा

स्वयं को रसालगढ़ का निवासी सुरेश मानकर अपने छोटे भाई मोहन को शिक्षा का महत्व बताते हुए एक पत्र लिखिए।

प्र.23) दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाई मिट्टी की मूर्तियों के बिक्री हेतु एक विज्ञापन लिखिए। (उत्तर सीमा 25-50 शब्द) [4]

अथवा

वसन्त ऋतु में विद्यालय के उद्यान में पुष्प प्रदर्शनी देखने के लिए आने हेतु एक विज्ञापन लिखिए।

(उत्तर सीमा 25-50 शब्द)